भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1543

(जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 09 फरवरी, 2026/20 माघ,1947 (शक) को दिया जाना है।)

देश में कॉरपोरेट निवेश में मंदी

1543. श्री खलीलुर रहमान:

क्या ***वित्त*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि देश में कॉरपोरेट निवेश में मंदी आई है;

(ख) यदि हां, तो इस मंदी के कारणों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) निवेश में इस मंदी का देश पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री

(श्री पंकज चौधरी)

(क), (ख), और (ग): सरकार द्वारा समय-समय पर कॉरपोरेट निवेश को सुगम बनाने और कारोबारी परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपाय करती है। पिछले कुछ वर्षों में इस संबंध में व्यापारिक सुगमता बढ़ाने, राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन, प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क, भारत ट्रेड नेट, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति, कराधान नीति सुधार, आत्मनिर्भर भारत और स्टार्टअप इंडिया पर बल, अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी), वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा और पीएम गति शक्ति जैसे मुख्य नीतिगत उपाय शामिल हैं। सरकार द्वारा आरंभ किए गए इन उपायों से देश भर में कॉरपोरेट निवेश और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा मिला है।

*****